considered for incorporation in the integrated scheme if necessary after making observations during the current flood season.

Tirunelveli-Kanyakumari-Trivandrum Railway Line

1322. **Shri Muthiah:**
Shri M. P. Swamy:
Shri S. K. Paramasivan:
Dr. P. Sirinivasan:
Shri Reddiar:
Shri M. Malaichami:
Shri Kasinatha Dorai:

Will the Minister of **Railways** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 195 on the 2nd June, 1964 and state the further progress made in the construction of the railway line connecting Tirunelveli-Kanyakumari-Trivandrum?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Sham Nath): The Field work for the survey has been completed except for the alternate alignment for 10 miles *via* the Aramboly ghats, which is in progress. Estimate, working plans etc. are now under preparation by the Southern Railway Administration. This line is not included for construction during the Third Five Year Plan period.

Import Priority

1323. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether it is proposed to offer import priority to industries earning more foreign exchange; and

(b) if so, the details of the proposal?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) and (b). Import priority to industries earning more foreign exchange is already being given on merits of the categories of industries and this policy is proposed to be further extended under the E.P. Schemes.

टंकारा और मोरवी के बीच रेलवे लाइन

1324. **श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :**
श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) टंकारा और मोरवी (पश्चिम रेलवे) के मध्य में जो रेलवे लाइन है क्या उसे सरकार ने हटाने का निश्चय किया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) इस रेलवे लाइन को हटाने से सरकार को कितनी आर्थिक क्षति पहुंचेगी; और

(घ) क्या ऐसे भी सुझाव सरकार को प्राप्त हुए हैं कि बजाये लाइन को उखाड़ने के उसे और अधिक उपयोगी बनाया जाये जिससे आर्थिक हानि न हो ?

रेलवे मन्त्रालय में उपमंत्री (श्री शाम-नाथ) : (क) सितम्बर, 1963 में राज्य-सरकार के परामर्श से यह तय किया गया कि मोरवी-टंकारा और मोरवी-अमरान रोड छोटी लाइनें 1-4-1965 से बन्द कर दी जायें ।

(ख) इन लाइनों पर होने वाले यातायात को देखते हुए इन्हें चालू रखने का पर्याप्त औचित्य नहीं था ।

(ग) इन लाइनों के बन्द कर देने से कोई आर्थिक हानि नहीं होगी । बल्कि इन लाइनों के संचालन में इस समय जो आर्थिक हानि हो रही है, उससे रेलवे बच जायेगी ।

(घ) जी हां । इस पूरे मुद्दे पर फिर से विचार किया जा रहा है ।